संस्कृति मंत्रालय
भारत सरकार

आज़ादी का अमृत महोत्सव

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र

(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान)

सीसीआरटी समाचार

CCRT Newsletter

खण्ड 2 • अंक 11 • नवम्बर 2024

Volume 2 • Issue 11 • November, 2024

कला मंथन

मध्ययुगीन लोग इस बात को मानते थे कि सत्य वस्तु के आवरण में या रूप में होता है। अध्यात्म उसी में समाविष्ट है, यह उनका विश्वास था। किन्तु यह मध्ययुगीन तर्क तथा विज्ञान की मदद से ऐसी सत्य वस्तुओं को प्रत्यक्ष रूप में देखने में सक्षम है, इसीलिए कोई भी वस्तु किसी भी आवरण में नहीं है, जो भी है वह प्रत्यक्ष रूप में है और वह उसे देख सकता है। मध्ययुगीन मनुष्य ने कला, सौंदर्य एवं अध्यात्म को तर्क एवं विज्ञान की दृष्टि से देखने का प्रयास किया। इससे यह सिद्ध होता है कि मध्ययुग के मनुष्य की अभिवृत्ति में परिवर्तन हो रहा था। यह मनुष्य कला को अलग दृष्टि से देखने की कोशिश कर रहा था। इस युग में रहस्यवाद का स्थान तर्कवाद ने लिया। यह परिवर्तन धीरे-धीरे हो रहा था। एक और परिवर्तन हो रहा था। यह परिवर्तन चित्रकला, शिल्पकला एवं काव्य को लेकर था। चित्रकला एवं काव्यकला ने धीरे-धीरे शिल्पकला की जगह लेनी शुरू कर दी। शिल्पकला से उनका मूल्य अधिक करने का प्रयास होने लगा। इसके पूर्व चित्रकला एवं काव्य को लेकर उच्च स्थान कभी प्राप्त नहीं हुआ था, यह बात समझनी आवश्यक है।

काव्य का उद्‌भव ईश्वर के हृदय से होता है तथा काव्यशास्त्र धर्मशास्त्र है, यह मानने के कारण मध्ययुग में काव्य को उत्कृष्ट माना जाने लगा। फलतः काव्य की निंदा करना यानी ईश्वर की निंदा करना है, यह माना जाने लगा।

डॉ. विनोद नारायण इन्दूरकर
अध्यक्ष, सीसीआरटी

प्रमुख गतिविधियों की झलकियाँ

नवम्बर 2024 की प्रमुख गतिविधियाँ

कावेरी मीट्स गंगा समारोह

संस्कृति मंत्रालय की अमृत परम्परा शृंखला के तहत सीसीआरटी, द्वारका में सांस्कृतिक उत्सव के एक अनोखे स्वरूप 'कावेरी मीट्स गंगा' समारोह का आयोजन किया गया। इसमें कई शानदार प्रस्तुतियां देखने को मिलीं। इस दौरान माननीय पर्यटन और प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री श्री सुरेश गोपी आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित हुए। 2 से 5 नवंबर 2024 तक आयोजित इस आकर्षक समारोह में भारत की पारंपरिक और लोक कलाओं की समृद्ध झलक देखने को मिली, जिसमें एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को दर्शाया गया।

संस्कृति मंत्रालय की स्वायत्त संस्थाओं सीसीआरटी, संगीत नाटक अकादमी और कलाक्षेत्र की ओर से आयोजित कावेरी मीट्स गंगा शृंखला ने उत्तर भारत में दक्षिण भारतीय संगीत और नृत्य का एक असाधारण रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किया। चेन्नई के प्रसिद्ध मार्गाजी महोत्सव से प्रेरित इस कार्यक्रम ने भारत की विविध सांस्कृतिक विरासत को उसकी पारंपरिक और लोक कलाओं के माध्यम से प्रदर्शित किया। इसमें पारंपरिक कला रूपों को पुनर्जीवित करने पर विशेष ध्यान दिया गया है, विशेष रूप से उन कला रूपों को, जो लुप्त होने की कगार पर हैं। सरदार पटेल की 150वीं जयंती के दो साल के स्मरणोत्सव के हिस्से के रूप में यह समारोह राष्ट्रीय गौरव से ओत-प्रोत था। जिसने उनकी विरासत को उत्सव के सांस्कृतिक एकता के संदेश से जोड़ा।

02.12.2024 की प्रस्तुति

कावेरी मीट्स गंगा, अमृत परम्परा का उद्घाटन दिवस समारोह 02 नवंबर, 2024 की संध्या को नाम-संकीर्तन से शुरू हुआ, इसके बाद एस. राधाकृष्णन और समूह द्वारा 'सरस्वती वीणा', डॉ. वसंत किरण और समूह द्वारा 'कुचिपुड़ी' नृत्य और रंजनी और गायत्री द्वारा 'कर्नाटक गायन युगल' पर शानदार कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए।

03.12.2024 की प्रस्तुति

3 नवंबर 2024 को सीसीआरटी, नई दिल्ली में कलाक्षेत्र फाउंडेशन के छात्रों के साथ पंच वाद्यम और नादस्वरम कलाकारों की सिम्फनी टीम ने मंत्रमुग्ध कर देने वाला प्रदर्शन किया। इसके बाद राहुल वार्ष्णेय और टीम SOCH द्वारा प्रस्तुत शास्त्रीय नृत्य समूह था, जिसमें पवित्र नदियों कावेरी और गंगा का जश्न मनाते हुए भारत के 8 शास्त्रीय नृत्य रूपों को एक साथ पिरोया गया। आखिर में केरल की युवा गायिका सूर्या गायत्री द्वारा मनमोहक भजन प्रस्तुत किए गए।

04.12.2024 की प्रस्तुति

तीसरे दिन माननीय पर्यटन और पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री श्री सुरेश गोपी की उपस्थिति में प्रख्यात कलाकारों द्वारा नृत्य और संगीत का आकर्षक प्रदर्शन किया गया। सबसे पहले सुधा रघुरामन द्वारा कर्नाटक शैली में गायन प्रस्तुत किया गया। इसके बाद प्रख्यात गायक जयतीर्थ मेवुंडी द्वारा हिन्दुस्तानी शास्त्रीय गायन पेश किया गया। आखिर में केरल के लोक नृत्य-संगीत की सामूहिक प्रस्तुति दी गई।

05.12.2024 की प्रस्तुति

इस आयोजन के आखिरी दिन समृद्धि खुराना के नृत्य निर्देशन में कलरी, समकालीन और छऊ नृत्य पर मंत्रमुग्ध कर देने वाली प्रस्तुति सहस्र रावण, संध्या मनोज द्वारा दक्षिण कृतियों पर सुंदर ओडिसी नृत्य प्रस्तुति और राकेश चौरसिया द्वारा हिंदुस्तानी शास्त्रीय वाद्य-बांसुरी के भावपूर्ण वादन के साथ इस भव्य समारोह का समापन हुआ।

प्रशिक्षण अनुभाग/ TRAINING SECTION

● एनईपी-2020 के अनुरूप 492वां अनुस्थापन पाठ्यक्रम

(06 से 27 नवम्बर, 2024, सीसीआरटी क्षेत्रीय केन्द्र, उदयपुर)

नवम्बर 2024 में सीसीआरटी क्षेत्रीय केन्द्र, उदयपुर द्वारा एनईपी-2020 के अनुरूप 492वां अनुस्थापन पाठ्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 9 विभिन्न राज्यों/ केंद्र शासित प्रदेशों क्रमशः अरुणाचल प्रदेश, छत्तीसगढ़, गोवा, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, कर्नाटक, राजस्थान और तमिलनाडु से कुल 39 शिक्षकों (08 महिला प्रतिभागियों सहित) ने भाग लिया।

इस पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को भारतीय सांस्कृतिक धरोहर एवं कला के प्रति जागरूक करना था ताकि वे अपनी शिक्षण विधियों में सांस्कृतिक तत्वों का समावेश कर सकें। प्रतिभागियों को भारतीय सांस्कृतिक विविधता और शिक्षण में उसके उपयोग के विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया गया।

कार्यक्रम में विभिन्न सत्रों के माध्यम से प्रतिभागियों को भारतीय कला, हस्तशिल्प, लोक परंपराओं एवं मूर्तिकला जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया गया। शिक्षकों ने रचनात्मक कौशल के विकास के लिए योग, संगीत, नृत्य तथा व्यावहारिक गतिविधियों में हिस्सा लिया। इसके अलावा, प्रतिभागियों ने ऐतिहासिक स्थलों, संग्रहालयों और प्राकृतिक उद्यानों का शैक्षिक दौरा किया, जिससे उन्हें भारत की समृद्ध सांस्कृतिक और प्राकृतिक विरासत को समझने का अवसर मिला। इस प्रशिक्षण ने प्रतिभागियों को अपनी कक्षाओं में प्रभावी ढंग से संस्कृति को एकीकृत करने के लिए शिक्षण सामग्री तैयार करने में भी मदद की।

अनुस्थापन पाठ्यक्रम के अंतिम सत्र में प्रतिभागियों ने अपने प्रोजेक्ट और पाठ योजनाओं का प्रदर्शन किया। विभिन्न राज्य एवं क्षेत्रों से आए शिक्षकों ने अपने अनुभव साझा करते हुए सांस्कृतिक विविधता का प्रत्यक्ष अनुभव किया। कार्यक्रम का समापन 27 नवंबर को सिद्धि समारोह के साथ हुआ, जहां प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र एवं सांस्कृतिक पैकेज वितरित किए गए। इस कार्यक्रम ने न केवल शिक्षकों के दृष्टिकोण को व्यापक किया, बल्कि उन्हें अपनी कक्षाओं में नवाचार और सांस्कृतिक जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित भी किया।

● एनईपी-2020 के अनुरूप 493वां अनुस्थापन पाठ्यक्रम

(25 नवम्बर से 06 दिसम्बर, 2024, सीसीआरटी क्षेत्रीय केन्द्र, हैदराबाद)

एनईपी-2020 के अनुरूप 493वां अनुस्थापन पाठ्यक्रम सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद में शिक्षक प्रशिक्षकों के लिए दिनांक 25 नवंबर से 06 दिसंबर 2024 तक आयोजित किया गया, जिसमें 12 (बारह) विभिन्न राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों क्रमशः असम, बिहार, छत्तीसगढ़, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, कर्नाटक, ओडिशा, राजस्थान, तमिलनाडु, उत्तराखंड और उत्तर प्रदेश का प्रतिनिधित्व करने वाले 55 व्याख्याताओं (16 महिला व्याख्याता सहित) ने भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को भारतीय मूर्तिकला, चित्रकला, स्थापत्य कला और प्रदर्शन कला जैसे विषयों पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। इसमें योग, लोक संगीत, हिंदी भाषा का महत्व और गांधीवादी शिक्षा के सिद्धांत जैसे व्यावहारिक सत्र शामिल थे। साथ ही, स्वच्छ भारत मिशन और सांस्कृतिक विरासत संरक्षण पर सत्रों ने शिक्षकों को स्वच्छता एवं स्थायित्व को शिक्षण का अभिन्न अंग बनाने के लिए प्रेरित किया। सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक स्थलों, जैसे सालारजंग संग्रहालय एवं गोलकोंडा किले की शैक्षिक यात्राओं ने प्रतिभागियों को भारत की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर को नजदीक से जानने का अवसर दिया।

पाठ्यक्रम के अंतिम दिन सिद्धि समारोह में प्रतिभागियों ने अपने पाठ योजनाओं और प्रोजेक्ट कार्य का प्रदर्शन किया। इस दौरान कला और शिल्प से संबंधित कार्यों की प्रदर्शनी भी आयोजित की गई। यह कार्यक्रम एनईपी-2020 के उद्देश्यों को पूरा करने की दिशा में एक सशक्त कदम है, जो शिक्षकों को सांस्कृतिक शिक्षा के माध्यम से छात्रों के समग्र विकास में योगदान देने के लिए सशक्त बनाता है।

● एनईपी-2020 के अनुरूप 494वां अनुस्थापन पाठ्यक्रम

(27 नवम्बर से 17 दिसम्बर, 2024, सीसीआरटी क्षेत्रीय केन्द्र, गुवाहाटी)

सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र गुवाहाटी में सेवारत शिक्षकों के लिए एनईपी-2020 के अनुरूप 494वां अनुस्थापन पाठ्यक्रम 27 नवंबर से 17 दिसंबर 2024 तक आयोजित किया गया, जिसमें 14 (चौदह) विभिन्न राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों क्रमशः असम, बिहार, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, केरल, नागालैंड राजस्थान, तमिलनाडु, त्रिपुरा, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश और पश्चिम बंगाल का प्रतिनिधित्व करते हुए 70 शिक्षकों (20 महिला शिक्षकों सहित) ने भाग लिया। कार्यक्रम में राजभाषा नीति, सांस्कृतिक शिक्षा के घटक और मूल्य आधारित शिक्षा जैसे विषयों पर विशेष सत्र आयोजित किया गया।

इस पाठ्यक्रम में शिक्षकों को न केवल भारतीय संस्कृति की विविधताओं से अवगत कराया गया, बल्कि कलाकृतियों, नाट्य प्रदर्शन एवं हस्तकला कौशल के माध्यम से व्यावहारिक अनुभव भी प्रदान किया गया। सत्रिया नृत्य, भारतनाट्यम, एवं असमिया लोक संगीत जैसे पारंपरिक और समकालीन सांस्कृतिक प्रदर्शन प्रतिभागियों के लिए प्रेरणादायक रहे। इसके अलावा, शिक्षकों को स्थानीय विरासत स्थलों का दौरा कर पर्यावरण और सांस्कृतिक संरक्षण के महत्व को समझने का भी अवसर मिला।

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों को शैक्षिक पाठ्यक्रम में सांस्कृतिक शिक्षा को प्रभावी तरीके से लागू करने के लिए सक्षम बनाना है। शिल्प आधारित शिक्षण, प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासत और तीन-भाषा सूत्र पर आधारित सत्रों ने प्रतिभागियों को नए दृष्टिकोण और तकनीकों से अवगत कराया। इस प्रशिक्षण के अंतिम दिनों में प्रतिभागियों द्वारा विकसित की गई पाठ योजनाओं का प्रदर्शन किया गया, जो सांस्कृतिक शिक्षा को समर्पित एक सार्थक प्रयास का प्रमाण है।

छात्रवृत्ति और अध्येतावृत्ति / SCHOLARSHIP AND FELLOWSHIP

● राष्ट्रीय संस्कृति उत्सव एक भारत श्रेष्ठ भारत के समापन दिवस 8 नवम्बर 2024 को सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली में सीसीआरटी छात्रवृत्तिधारकों द्वारा सामूहिक नृत्य-संगीत कार्यक्रम का प्रदर्शन किया गया।

● 13 नवंबर, 2024 को दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के साथ संयुक्त आयोजन में खजुराहो, मध्य प्रदेश में 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के तहत सीसीआरटी छात्रवृत्तिधारकों द्वारा सुश्री रंजना चोपड़ा (एएस और एफए) और सुश्री अमिता प्रसाद सरभाई (जेएस) संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की उपस्थिति में असाधारण सामूहिक नृत्य-संगीत कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया।

इसके बाद सीसीआरटी द्वारा विकसित और डॉ. विनोद नारायण इन्दूरकर (सीसीआरटी अध्यक्ष) द्वारा निर्देशित रानी दुर्गावती के जीवन पर आधारित ऐतिहासिक नाटक 'कुशल वीरांगना रानी दुर्गावती' का सीसीआरटी छात्रवृत्तिधारकों और कलाकारों द्वारा मंचन किया गया।

विस्तार सेवाएँ तथा समुदाय पुनर्निवेश कार्यक्रम/EXTENSION SERVICES AND COMMUNITY FEEDBACK PROGRAMME (ESCFP)

सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली

क्रम सं.	स्थान	अवधि
1.	राजकीय सर्वोदय बाल विद्यालय सुभाष नगर नई दिल्ली	31 अक्टूबर और 1, 4 नवंबर 2024
2.	राजकीय सर्वोदय विद्यालय, ककरोला, नई दिल्ली	13, 14, 16 नवंबर 2024
3.	राजकीय बालिका सीनियर सेकेंडरी स्कूल, बिंदापुर, नई दिल्ली	28-30 नवंबर 2024
4.	राजकीय सर्वोदय कन्या विद्यालय, कैर, नई दिल्ली	28-30 नवंबर 2024

क्षेत्रीय केन्द्र, हैदराबाद

क्रम सं.	स्थान	अवधि
1.	जेड पी हाई स्कूल, घाटकेसर मण्डल, तेलंगाना	02, 04, 05 नवंबर 2024
2.	जेड पी हाई स्कूल, घाटकेसर मण्डल, मल्काजगिरी, तेलंगाना	07, 08, 09 नवंबर 2024
3.	जेड पी हाई स्कूल, आदिलाबाद, घाटकेसर मण्डल, मल्काजगिरी, तेलंगाना	11, 12, 13 नवंबर 2024
4.	जेड पी हाई स्कूल, अन्नोजीगुडा, घाटकेसर मण्डल, मल्काजगिरी, तेलंगाना	18, 19, 20 नवंबर 2024
5.	पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय नंबर-2, गोलाकोंडा, हैदराबाद, तेलंगाना	25, 26, 27 नवंबर 2024

क्षेत्रीय केन्द्र, उदयपुर

क्रम सं.	स्थान	अवधि
1.	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, बडियार, मावली, उदयपुर	08 नवंबर, 2024
2.	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, डाकन कोटड़ा, गिरवा, उदयपुर	08, 09 और 11 नवंबर 2024
3.	राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय, भूपालपुरा, गिरवा, उदयपुर	08, 09 और 11 नवंबर 2024
4.	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, इंटाली, गिडवा, उदयपुर	11 नवंबर 2024
5.	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, नाई, गिरवा, उदयपुर	11-13 नवंबर 2024
6.	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, मेड़ता, मावली, उदयपुर	12-14 नवंबर 2024
7.	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, चांसदा, कुराबड़, उदयपुर	12-14 नवंबर 2024
8.	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, धौल की पाटी, गिरवा, उदयपुर	12-14 नवंबर 2024
9.	महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, सनावद, मावली, उदयपुर	13 नवंबर 2024
10.	राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, जावद, मावली, उदयपुर	16, 18 और 19 नवंबर 2024
11.	राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, लोइरा, बड़गांव, उदयपुर	16, 18 और 19 नवंबर 2024
12.	राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सविना खेड़ा, उदयपुर	18-20 नवंबर 2024
13.	राजकीय उच्चतर प्राथमिक विद्यालय, ढाणा, मेड़ता, मावली, उदयपुर	18-20 नवंबर 2024
14.	राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, लकड़वास, गिरवा, उदयपुर	21-23 नवंबर 2024
15.	राजकीय बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, लकड़वास, गिरवा, उदयपुर	21-23 नवंबर 2024
16.	राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, जगत, कुराबड़, उदयपुर	23, 25 और 26 नवंबर 2024

क्षेत्रीय केन्द्र, गुवाहाटी

क्रम सं.	स्थान	अवधि
1.	दक्षिण बेलटोला हाई स्कूल, बेलोटा, गुवाहाटी	11–13 नवंबर 2024
2.	पांडु आदर्श हाई स्कूल, पांडु, गुवाहाटी	12–14 नवंबर 2024
3.	चंपावती हाई स्कूल, ढिपेनपारा, गुवाहाटी	20–22 नवंबर 2024
4.	एनपीएमई गर्ल्स हाई स्कूल, पांडु, गुवाहाटी	12–14 नवंबर 2024
5.	नूनमाटी हाई स्कूल, नूनमाटी, गुवाहाटी	26–28 नवंबर 2024

नवम्बर 2024 में सीसीआरटी मुख्यालय और इसके क्षेत्रीय केंद्रों में कुल 6944 बच्चों को विस्तार सेवाएँ तथा समुदाय पुनर्निवेश कार्यक्रम के तहत प्रशिक्षित किया गया।

सीसीआरटी मुख्यालय, नई दिल्ली:

डॉ. विनोद नारायण इंदूरकर, अध्यक्ष, सीसीआरटी
श्री राजीव कुमार (भा.रा.से.), निदेशक, सीसीआरटी
डॉ. राहुल कुमार, उप निदेशक (प्रशिक्षण-I)
डॉ. संदीप शर्मा, उप निदेशक (मूल्यांकन)
श्री दिबाकर दास, उप निदेशक (छात्रवृत्ति एवं अध्येतावृत्ति)
श्री के.एस.एल. गणेश, उप निदेशक (प्रशासन)
श्री श्रीभगवान वर्मा, उप निदेशक (उत्पादन)
श्री आशुतोष, उप निदेशक (प्रशिक्षण-II)
श्री मनीष कुमार, हिन्दी अधिकारी

सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र:

श्री वाई. चन्द्र शेखर, परामर्शक
सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, हैदराबाद, तेलंगाना

श्री ओम प्रकाश शर्मा, परामर्शक
सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, उदयपुर, राजस्थान

श्री निरंजन भुइयां, परामर्शक
सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, गुवाहाटी, असम

श्री के.एस.एल. गणेश, उप निदेशक (प्रशासन) एवं प्रभारी
सीसीआरटी क्षेत्रीय केंद्र, दमोह

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत एक स्वायत्त संस्थान)
15ए, सेक्टर-7, द्वारका, नई दिल्ली - 110075 भारत
दूरभाष : 011-25309300 ई-मेल : dir.ccrt@nic.in वेबसाइट : www.ccrtindia.gov.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
1-118/सीसीआरटी, सर्वे नं. 64
(गूगल ऑफिस के निकट),
मधापुर, हैदराबाद, तेलंगाना
पिन कोड:- 500 084
दूरभाष: +91+040+23111910/23117050
ई-मेल: rchyd.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
58, जुरीपार, पंजाबारी रोड
गुवाहाटी, असम
पिन कोड: 781037
दूरभाष: +91-0361-2335317
ई-मेल: rcgwt.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
हवाला खुर्द, बड़गाँव,
उदयपुर, राजस्थान
पिन कोड: 313011
दूरभाष: +91+0294-2430764
ई-मेल: rcud.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
पुरानी कलेक्ट्रेट बिल्डिंग,
दमोह, मध्य प्रदेश
पिन कोड:- 470661
ई-मेल: rcdamoh-ccrt@gov.in

@CCRTDelhi @ccrtofficialchannel ccrtnewdelhi @CCRTNewDelhi @ccrtofficial

संरक्षक: **डॉ. विनोद नारायण इंदूरकर**, अध्यक्ष, सीसीआरटी *मार्गदर्शक:* **श्री राजीव कुमार**, निदेशक, सीसीआरटी
संपादक: **मनीष कुमार**, हिंदी अधिकारी *प्रकाशन सहयोग:* **श्री रमनीक कुमार**, प्रकाशन सहायक एवं **श्री विरेन्द्र कटोच**, ग्राफ़िक डिज़ाइनर